PRE BOARD EXAMINATION-II,

(Summative assessment – II, 2013)

HB-2069

हिन्दी 'ब'

कक्षा – X

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक** :90

Date:06-02-2013

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर दना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

(1) **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर दीजिए :** 1x5=5

अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक युद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के अनेक शासक अपने शासन – कौशल में धूर्त एवं असावधान थे। समय-समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिससे सहस्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरूप तथाकथित नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया। इन सबके होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे थे। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही, जितनी भारत में और न ही 'अर्थशास्त्र' के समान किसी प्राचीन न्याय ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शों की घोषणा भी नहीं की। प्राचीन भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं है, जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता, जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत में पूर्णत: अप्राप्य है। नि:संदेह कहीं – कहीं क्रूरता एवं कठोरता पूर्ण व्यवहार था, परंतु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा यह नगण्य था। हमारे लिए प्राचीन भारतीय सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है।

(क) एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी भारत के इतिहास की क्या विशेषता रही हैं :

(i) उन्नति की राह पर आगे बढ़ना। (ii) अन्य संस्कृतियों को अपनाना।

(iii) पारस्परिक युद्धों से जर्जर होना। (iv) प्रगति न कर पाना।

(ख) जन्मजात असमानता को धर्मसंगत मानने से नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन –

(i) शापमुक्त हो गया (ii) अभिशाप बन गया

(iii) सँवर गया (iv) श्रेष्ठतम बन गया

(ग) 'अर्थशास्त्र' क्या है ?

(i) प्राचीन धर्मग्रंथ (ii) मानवीय अधिकारों का प्रामाणिक लेख

(ग) मानवीय अधिकारों की एक पुस्तक (घ) मानवीय अधिकारों का प्राचीन न्याय ग्रंथ

(घ) भारत में क्या अप्राप्य है?

(i) बादशाहों की युद्ध प्रियता के प्रमाण

(ii) बादशाहों की क्रूरता और बंदियों के प्रति उनके अत्याचारों के प्रमाण

(iii) बादशाहों के स्मारक

(iv) बादशाहों की लोगों के प्रति संवेदनहीनता

(ङ) हमारी प्राचीन सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता क्या है?

(i) उसकी मानवीयता

(ii) उसकी संवेदनशीलता

(iii) उसके मानवीय संबंध

(iv) उसकी भावनाएँ

(2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर दीजिए : **1x5=5**

मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, प्रांतीयता, क्षुद्र राष्ट्रीयता और अंतर्राष्ट्रीयता के भेद को तोड़ सकते हैं। आज मानव, मानव से दूर हटता जा रहा है। वह भूल चुका है कि देश, धर्म और जाति के भिन्न होते हुए भी हम सर्वप्रथम मानव हैं और समान हैं तथा सभी की भावनाएँ और लक्ष्य एक ही हैं। आज धर्म, देश, सत्ता, धन आदि का भेद होने से एक मानव दूसरे मानव को मानव ही नहीं मानता है। कभी-कभी स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफ़सर चपरासी को, धनिक निर्धन को तथा विद्वान निरक्षर को इंसान ही नहीं समझता है और वह भूल जाता है कि दूसरे को भी इच्छा, भूख, प्यास समान रूप से सताते हैं तथा उसे भी प्रेम और आदर चाहिए। वह भूल जाता है कि दूसरे में भी स्वाभिमान का पुट है, उसे भी विश्राम की आवश्यकता है और उसे भी अपने बच्चे प्रिय हैं अथवा वह भी अपनी संतान के लिए कुछ करना चाहता है। सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचलकर सुख-सुविधाओं पर एकाधिकार कर लेना चाहता है, लेकिन एक आकाश के नीचे रहने वाले इंसान तो सब एक हैं, भले ही कोई कुदाल लेकर श्रमिक का कार्य करता हो, कोई कलम लेकर दफ़्तर का; किंतु लक्ष्य एक है – समाज का अभ्युदय। कार्य-भेद होते हुए भी सब इंसानी बिरादरी के एक-से हकदार हैं। सब भाई-भाई ही तो हैं, सब ही अपने-अपने स्थान पर विशेष हैं। मानव का नाता ही श्रेष्ठ नाता है। 'नौकर' कहकर पुकारना मानो मानव का अपमान है। 'सहयोगी', 'सहायक' अथवा सस्नेह उसका नाम कहकर संबोधन करना मधुर है।

(क) मानव को मानव के रूप में सम्मानित करना क्यों आवश्यक है?

(i) भेद-भाव को तोड़ने के लिए। (ii) भेद को जगाने के लिए।

(iii) भेद को स्पष्ट करने के लिए। (iv) भेद को बढ़ाने के लिए।

(ख) मानव क्या भूल चुका है?

(i) मानव- जीवन सभी के लिए समान है

(ii) धर्म, देश और जाति के भिन्न भिन्न होने के कारण सभी असमान है

(iii) धर्म, देश और जाति के भिन्न होने पर भी सभी सर्वप्रथम मानव हैं

(iv) मानव जीवन सर्वश्रेष्ठ है।

(ग) सत्ताधारी मनुष्य क्या चाहता है?

(i) समाज का अभ्युदय (ii) सत्ता पर एकाधिकार

(iii) सुख-सुविधाओं पर एकाधिकार (iv) सहयोगियों पर एकाधिकार

(घ) आकाश के नीचे रहने वाले सभी इंसानों का क्या लक्ष्य है?

(क) कार्य करते हुए समाज का अभ्युदय (ख) कार्य करते हुए एक-दूसरे का कल्याण

(ग) कार्य करते हुए जीविकोपार्जन (घ) कार्य करते हुए समाज का उद्धार

(ङ) कौन-सा नाता श्रेष्ठ है?

(i) जीवन का नाता (ii) मानवता का नाता

(iii) स्वदेशी का नाता (iv) पारिवारिक नाता

(3) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए। 1x5=5

बादल, गरजो!
घेर-घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित, ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छवि डर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो-
बादल, गरजो!
विकल-विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाध के सकल जन,
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन!
तप्त धरा, जल से फिर
शीतल कर दो :
बादल, गरजो।

(क) 'धाराधर ओ!' किसको कहा गया है?

(i) बालों को। (ii) बादलों को।

(iii) बाल कल्पना को। (iv) पर्वतों को।

(ख) 'काले घुँघराले' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(i) बालक के घने बालों के लिए।

(ii) बालक की कल्पना के लिए।

(iii) उमड़-घुमड़ कर आते बादलों के लिए।

(iv) बालक की लहराती लटों के लिए।

(ग) 'बाल कल्पना के -से पाले' का क्या अर्थ है?

(i) बालक की कोमल कल्पनाएँ।

(ii) बादल की कल्पना के बादल।

(iii) बालक की कल्पना के पंख।

(iv) बालक की कल्पना के समान कोमल बादल।

(घ) कवि के अनुसार बादल किसे शांति देते हैं?

(i) गर्मी से व्याकुल सकल जन को।

(ii) गर्मी से व्याकुल धरती और जन-जन को।

(iii) गर्मी से व्याकुल अज्ञात दिशाओं को।

(iv) गर्मी से व्याकुल विश्व को।

(ङ) इस पद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

(i) विकल-विकल उन्मन। (ii) बादल गरजो।

(iii) नूतन कविता। (iv) बाल कल्पना।

(4) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : **1x5=5**

आदमी हो, स्नेहबाती बन नया दीपक जलाना।
दर्द की परछाइयों के दानवी बंधन हटाना।
छटपटाती ज़िन्दगी को चेतना संगीत देना।
विश्व को नवपंथ देना, हारते को जीत देना।।

आदमी हो, बुझ रहे ईमान को विश्वास देना।
मुसकराकर वाटिका में मधुभरा मधुमास देना।
शूल के बदले जगत को फूल की सौगात देना।
जो पिछड़ता हो उसे नवशक्ति देना, साथ देना।।

आदमी हो, डूबते मँझधार में पतवार देना।
थक चला विश्वास साथी, आस्था आधार देना।
क्रांति का संदेश देकर राह युग की मोड़ देना।
फिर नया मानव बनाना, रूढ़ियों को तोड़ देना।।

आदमी हो, द्वेष के तूफान को हँसकर मिटाना।
कंठ-भर विषपान करना; किन्तु सबको प्यार देना।
मेटना मज़बूरियों को; दीन को आधार देना।
खाइयों को पाटना; बिछुड़े दिलों को जोड़ देना।।

(क) काव्यांश में बार-बार 'आदमी हो' क्यों कहा गया है?
(i) ईमानदारी पर बल देने के लिए।
(ii) मानवोचित काम करने का आग्रह करने के लिए।
(iii) बुराइयों से बचाने के लिए।
(iv) आदमी होने की याद दिलाने के लिए।

(ख) 'शूल के बदले फूल देना' का तात्पर्य है :
(i) मिटते ईमान को विश्वास देना। (ii) दुर्बल को नई शक्ति देना।
(iii) दुखों के बदले सुख देना। (iv) जीवन को आनन्द से भर देना।

(ग) 'मँझधार' और 'नाव' प्रतीक हैं :
(i) नदी और नाव (ii) मुसीबत और सहारा
(iii) विवशता और सहायता (iii) विवशता और सहयोग

(घ) जो पिछड़ रहा हो उसके साथ क्या करना उचित है?
(i) दौड़ने को कहना। (ii) विश्राम करने को बाध्य करना।
(iii) साथ लेकर नई शक्ति देना। (iv) वाटिका में विश्राम करना।

(ङ) युग की राह कैसे मोड़ी जा सकती है?
(i) क्रांति से (ii) परिश्रम से
(iii) शांति से (iv) सहयोग से

खंड - ख

5) i) <u>रात को सात बजे से लेकर ग्यारह बजे तक</u> वह पढता ही रहा----- 1

- रेखांकित पदबंध का भेद बताइए ।

ii) <u>आराम की जिंदगी जीनेवाला कोई</u> कभी भी संकट में पड सकता है । 1

- रेखांकित पदबंध का भेद बताइए ।

iii) <u>जो</u> मित्र समय पडने पर साथ देता , उसे हम भूल नहीं राते । 1

-रेखांकित पद का परिचय दीजिए ।

iv) रमेश ने मुझे एक <u>कविता</u> सुनाई । 1

-रेखांकित पद का पद परिचय दीजिए ।

6) i) बाढ आने पर कई मकान पानी में बह गए । 1

मिश्र वाक्य में बदल कर लिखो ।

ii) सीधा बैठ कर पाठ सुनो । यहाँ से चले जाओ । 1

- इन वाक्यों से एक संयुक्त वाक्य बनाओ ।

iii) शीतल बाजार गई , क्यों कि उसे सब्जियाँ खरीदनी थीं । 1

-रचना के आधार पर वाक्य भेद क्या है ?

iv) बालक रो रहा था, किन्तु किसी ने उसे सांत्वना नहीं दी । 1

-रचना के आधार पर वाक्य भेद क्या है ?

7) i) 'उत्तरोत्तर' --- संधि विच्छेद कीजिए । 1

ii) 'आदि + अंत' -- इसकी संधि का नाम बताइए ? 1

iii) 'पददलित' -- समस्त पद का विग्रह क्या है ? 1

iv) 'सध्दर्म' -- समास का भेद बताइए । 1

8) i)' जहर लगना ' -- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

ii) दीवार खडी करना -- इस मुहावरे का अर्थ क्या है ? 1

iii) वीर सैनिक जब -------------- बाँध कर जूझते हैं, तो दुश्मनों के छक्के छुडा देते हैं । 1

-सही मुहावरे से खाली स्थान भरो ।

iv) खेल में ओलंपिक पदक जीतना आसान बात नहीं है, इसकेलिए -------- पडता है । 1

-सही मुहावरे से खाली स्थान भरो ।

9) शुध्द करके लिखिए :-

i) यह शुध्द गाय का असली दूध है । 1

ii) तुम्हें चारों वेदों का नाम मालूम है ? 1

iii) तुलसीदास रामचरित मानस लिखे थे ? 1

iv) सरदार भगतसिंग ने फाँसी पर चढना पडा । 1

खंड - ग

(10) **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए।** 1x5=5

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं।
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(क) मनुष्य में विभिन्नता कैसे होती है?

(i) कर्मों के फलानुसार (ii) भाग्य के अनुसार
(iii) परिश्रम के अनुसार (iv) समर्पण के आधार पर

(ख) पुराण पुरुष किसे कहा गया है?

(i) एक ईश्वर को (ii) भक्तों को
(iii) बुजुर्गों को (iv) देश को

(ग) सबसे बड़ा विवेक क्या है?

(i) मनुष्य अलग-अलग हैं। (ii) मनुष्य मात्र बंधु है।
(iii) मनुष्य परोपकारी है। (iv) मनुष्य अपने लिए जिए।

(घ) 'बाहरी' शब्द के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया है?

(i) बाह्य (ii) बाहर (iii) भीतर (iv) मध्य

(ङ) इस काव्यांश के कवि का नाम बताइए।

(i) कबीर (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) बिहारी

अथवा

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला-कण,
विश्व-शलभ सिर धुन कहता 'मैं'
हाय न जल पाया तुझ में मिल।
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल

(क) 'तुझसे' सर्वनाम शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(1) कवि (2) ईश्वर
(3) प्रियतम (4) महादेवी वर्मा

(ख) 'शलभ' शब्द का सही अर्थ क्या है?

(1) कीड़ा (2) मच्छर (3) मक्खी (4) पतंगा

(ग) 'शलभ' अपना सिर क्यों धुनता है?

(1) क्योंकि वह प्रकाश देखना चाहता है।
(2) क्योंकि वह प्रकाश देखने से पूर्व ही जल जाता है।
(3) क्योंकि वह ईश्वरीय प्रकाश नहीं देख पाता।
(4) परमतत्व में लीन होने की इच्छा पूरी नहीं कर पाता।

(घ) कवयित्री ने दीपक किसे कहा है?

(1) मन (2) आत्मा (3) दीया (4) ईश्वर

(ङ) 'सिहर-सिहर' शब्दों की आवृत्ति क्यों की गई है?

(1) मन की वेदना को उजागर करने के लिए।

(2) प्रसन्नता दिखाने के लिए।

(3) कँपकँपाहट प्रदर्शित करने के लिए।

(4) तेज़ आँधी के प्रतीक अर्थ में।

(11) पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए-

(1) आपके विचार से कौन-से ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रांसगिकता स्पष्ट कीजिए।

(2) ''गिरगिट' कहानी वर्तमान पुलिस व्यवस्था पर गहरा व्यंग्य है। स्पष्ट कीजिए।

(3) कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

(12) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए :

जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है। तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था।' पाठ के आधार पर पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(13) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

ऐसी एक घटना का ज़िक्र सिंधी भाषा के महाकवि शेख अयाज़ ने अपनी आत्मकथा में किया है। उन्होंने लिखा है - 'एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा, उनकी नज़र अपनी बाजू पर पड़ी। वहाँ एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए।' माँ ने पूछा, क्या बात है? भोजन अच्छा नहीं लगा?' शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।'

(क) शेख अयाज़ किस भाषा के कवि थे?

(ख) शेख अयाज़ के पिता अपने भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए?

(ग) शेख अयाज़ के पिता के कथन का क्या आशय है?

अथवा

आसिफ़उद्दौला का भाई है। वज़ीर अली का और उसका दुश्मन। असल में नवाब आसिफ़उद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी। वज़ीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत खयाल किया।

(क) पाठ में यह कथन किसका है?

(ख) आसिफ़उद्दौला का भाई कौन है? वह वज़ीर अली का दुश्मन क्यों बन गया?

(ग) वज़ीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत क्यों माना?

(14) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है ?

(ग) 'कर चले हम फ़िदा' नामक गीत में 'सिर पर कफ़न बाँधना' सकी ओर संकेत करता है ?

(15) निम्नलिखित में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर कीजिए –

(क) दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई ?

(ख) हेडमास्टर शर्मा जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(16) कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती – 'सपनों के से दिन' पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता है ?

खंड - घ

(17) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

(क) इंटरनेट की दुनिया

- विज्ञान का चमत्कार
- अद्भुत क्रांति
- विभिन्न जानकारियों का स्रोत
- वरदान भी अभिशाप भी।

(ख) भ्रष्टाचार: एक समस्या

- भ्रष्टाचार पनपने के कारण
- रोकने के उपाय
- वर्तमान स्थिति

(ग) आरक्षण: कितना उचित, कितना अनुचित

- आरक्षण क्यों
- आरक्षण की सुविधाएँ
- बदली परिस्थितियाँ
- समान अधिकार

(18) सड़क पर रोज होने वाली घटनाओं की ओर ध्यान खिंचते हुए, यातायात कमिश्नर को पत्र लिखिए।

अथवा

परिक्षा के दौरान होने वाली समय की कमी की ओर शिक्षा अधिकारी का ध्यान दिलाते हुए पत्र लिखिए।

2x5=10M

1) "आजकल हमारे जीवन की रफ्तार बढ गई, कोई चलता नही,बल्कि दौडता हैं "- इससे आप क्या समझते हैं ? प्राचीन और अधुनिक समज की तुलना करते हुए अपने शब्दों में लिखो ।

2) आजकल स्कूलों में अनुशासन हीनता बढती जा रही हैं । विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए शारीरिक दंड के बिना कौन-कौन सी मुक्तियाँ आपनाई जा सकती हैं - 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखो ।

****